बाढ़ व जलजमाव से सुरक्षित हुआ एयरपोर्ट : संज

मंत्री ने एयरपोर्ट व एयरफोर्स स्टेशन की सुरक्षा के लिए बने रिंग बांध पर चल रहे पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का वि

जासं., दरभंगा : स्थानीय एयरपोर्ट एवं एयरफोर्स स्टेशन के चारों ओर निर्मित रिंग बांध पर जल संसाधन विभाग द्वारा पीसीसी सड़क का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है। इससे दरभंगा एयरपोर्ट और एयरफोर्स स्टेशन को बाढ़ तथा बरसाती जल-जमाव से सुरक्षित हो गया है। परिसर में जल-जमाव की स्थिति में उसकी निकासी के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा एंटी फ्लड स्लूईस गेट का भी निर्माण कराया जा रहा है। एयरपोर्ट के मुख्य प्रवेश द्वार के पास बांध के स्लोप पर मिथिला पेंटिंग आर्टवर्क से सौंदर्यीकरण भी कराया जा रहा है। उपरोक्त बातें सूबे के जल संसाधन सह सूचना व जनसंपर्क विभाग के मंत्री संजय कुमार झा ने मंगलवार को इन सभी कार्यों का निरीक्षण और समीक्षा के बाद कही। मंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को इसे सर्वोत्तम गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

बताया कि दरभंगा एयरफोर्स स्टेशन के रिंग बांध के 95 मीटर गैप में नए बांध के निर्माण के अलावा रिंग बांध के शीर्ष पर 11,840 मीटर की लंबाई में पीसीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। कुछ स्थानों पर बांध के स्लोप में टेंबर ब्लाक पीचिंग का कार्य भी कराया जा रहा है। कहा - दरभंगा एयरपोर्ट परिसर में बरसात में जल-जमाव की स्थिति बन जाती थी। यह आशंका बनी रहती थी कि पानी कहीं रनवे पर न पहुंच जाए। पिछले साल एयरपोर्ट के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यहां के अधिकारियों से विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली थी। एयरपोर्ट को बाढ़ तथा जलजमाव से सुरक्षित करने के लिए योजना बनाने का निर्देश जल संसाधन विभाग को दिया था। एयरपोर्ट के विकास से जुड़े मुद्दों पर मुख्यमंत्री ने अप्रैल 2021 में एक-अणे मार्ग में विशेष बैठक भी की थी, जिसमें राज्य सरकार के वरीय अधिकारियों से एयरपोर्ट से जुड़ी एक-एक चीज की जानकारी लेकर सुविधाओं में वृद्धि के लिए जरूरी निर्देश दिए थे।

निरीक्षण करते जल संसाधन सह पीआरडी मंत्री संजय झा • जागरण

बुके देकर मंत्री संजय झा का स्वागत करते अधिकारी • जागरण

मंत्री ने किया बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों का हवाई निरीक्षण

जासं., दरभंगा : सूबे के जल संसाधन व सूचना एवं जन संपर्क विभाग के मंत्री संजय कुमार झा ने हेलीकाप्टर से दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी, बेगूसराय एवं खगड़िया बाढ़ प्रमंडल की नदियों, तटबंधों एवं तटबंध निर्माण कार्य का हवाई निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जल संसाधन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल एवं अभियंता प्रमुख, बाढ़ तथा मुख्य अभियंता, बाढ़ व योजना एवं निगरानी के मुख्य अभियंता निरीक्षण में शामिल थे।

बरसात से पहले पूरा करें कमला-बलान तटबंध का काम

घनश्यामपुर, संस. : सूबे के जल-संसाधन सह सूचना व जनसंपर्क विभाग के मंत्री संजय कुमार झा ने विभागीय अभियंताओं को कहा है कि बरसात से पहले कमला-बलान तटबंध का काम पूरा करें। वो मंगलवार को किरतपुर प्रखंड के रसियारी गांव में टेंगहा चौक से रसियारी तक कमला बलान तटबंध के चौड़ीकरण और पक्की सड़क के निर्माण कार्य के शिलान्यास के मौके पर बोल रहे थे। कहा कि सड़क का चौड़ीकरण करने के लिए भूमि अधिग्रहण करने की जरूरत पड़ती है तो भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। किसानों को भूमि का चार गुना अधिक मुआवजा दिया जाएगा। सड़क निर्माण से इस क्षेत्र में विकास तथा रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी समुचित विकास हो सकेगा। सड़क बनने का लाभ इस क्षेत्र के लोगों को सीधा मिलेगा। मंत्री ने कार्यों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा कर बरसात से पहले हर हाल में कमला बलान तटबंध का काम पूरा करने का निर्देश दिया। मौके पर जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संजय अग्रवाल, अधीक्षण अभियंता लक्ष्मण झा, मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग रमाशंकर द्विवेदी, प्रिय शंकर, कुमुद रंजन विधायक मिश्री लाल यादव, सुधीर ईश्वर, चंदन झा, बृजमोहन यादव मणिकांत मिश्र सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

- **किसानों को भूमि का चार गुना अधिक दिया जाएगा मुआवजा**
- **सड़क निर्माण से इस क्षेत्र में विकास तथा रोजगार के मिलेंगे नए अवसर**

हमारा उद्देश्य सभी नदियों को एक प्लेटफार्म पर लाना : मंत्री

इंवेंटमेंट एसेट्स मैनेजमेंट सिस्टम फार रिवर्स इन बिहार विषय पर कार्यशाला में शामिल हुए सूबे के अभियंता

जासं., दरभंगा : सूबे के जल संसाधन सह सूचना व जनसंपर्क विभाग के मंत्री संजय कुमार झा ने कहा है कि बाढ़ विश्व की प्रकृति है। सूबे में गंडक, बागमती, कोशी, कमला नदी का पानी नेपाल से आता है। नेपाल से वार्ता भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में है। बिहार सरकार द्वारा अपनी बात भारत सरकार तक पहुंचाई जाती रही है। बाढ़ के दौरान कटाव निरोधक कार्य एवं आपदा प्रबंधन में बहुत बड़ी राशि व्यय होती है। यदि इस पर नियंत्रण प्राप्त हो जाए, तो बिहार का तेजी से विकास होगा। कहा- बाढ़ प्रबंधन में नई तकनीकी का समावेश इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है। बाढ़ नियंत्रण के लिए ड्रोन का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। हमारा उद्देश्य है सभी नदियों को एक प्लेटफार्म पर लाना। यदि बिहार ने वाटर मैनेजमेंट कर लिया तो इसकी सूरत अलग होगी। इसके लिए संकलित डाटा का प्रेषण करना जरूरी है। नए अभियंता विभाग में आए हैं, उन्हें अन्य देशों में वाटर मैनेजमेंट को देखने हेतु भेजा जाए, ताकि नई तकनीक का प्रवेश वाटर मैनेजमेंट सिस्टम में किया जा सके।

वो मंगलवार को शहर के एक निजी होटल में एफएमआइसी एवं विश्व बैंक द्वारा आयोजित इंवेंटमेंट एसेट्स मैनेजमेंट सिस्टम फार रिवर्स इन बिहार विषय पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। इससे पहले मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। मौके पर जल संसाधन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, अभियंता प्रमुख (बाढ़), मुख्य अभियंता (योजना एवं निगरानी बाढ़), मुख्य अभियंता (बाढ़ नियंत्रण), अधीक्षण अभियंता के साथ सभी संबंधित अभियंता उपस्थित थे।

काम में
तो हमलो
वाले, ध्या

जासं., दरभं
हुई। ब्लैक लि
नोटिस दीजिए
जल्दी में काम
लेकर फंसा
हुआ है इसको
चालीस दिन मे
तुम्हारे पीछे-
बरसात का स
हो जाएगा...
बोर्ड कालोनी,
चट्टी चौक होते
लाइनिंग कार्य
के दौरान जल
कुमार झा बेह
उपरोक्त हिदा
संवेदक को
अधिकारियों
प्लान दीजिए।
कर इस काम
एक आदमी
काफी परिश्रम
लाया गया है।
होगी तो हमले
हैं। ध्यान रखि
मंत्री के तल्ख
विभाग सचिव
ने संवेदक से
लेते हुए काम
को जरूरी नि
शहर के हाउ
लहेरियासराय
हरपट्टी तक न
कराया जा रह
लहेरियासराय
जलजमाव से
ने जाते-जाते
भी कीमत पर
बर्दाश्त नहीं